



इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र संस्कृति संवाद शृंखला- 1

मान्यवर,

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र संस्कृति संवाद शृंखला का प्रारंभ करने जा रहा है। इस शृंखला का पहला आयोजन 28 जुलाई 2016 को होगा। यह प्रख्यात आलोचक और चिंतक नामवर सिंह पर केन्द्रित है। इसी दिन नामवर जी उम्र के 91 वर्ष में प्रवेश करेंगे।

'नामवर सिंह की दूसरी परम्परा' के अंतर्गत इस दिन नामवर जी की सार्थकता और साहित्य के राष्ट्रीय संदर्भ पर चर्चा होगी। यह राष्ट्रीय आयोजन है।

सांस्कृतिक परिदृश्य पर आधारित इस विमर्श में आप सादर आमंत्रित हैं। आपकी प्रतीक्षा रहेगी।

डॉ. सच्चिदानंद जोशी
सदस्य सचिव

आयोजन सहयोग: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

कार्यक्रम

28 जुलाई, 2016

10 बजे: चाय

प्रथम सत्र: प्रातः 10:30 से 11:30 बजे

अभिनंदन

मुख्य अतिथि: माननीय राजनाथ सिंह, गृह मंत्री, भारत सरकार

विशिष्ट अतिथि: माननीय महेश शर्मा, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री, भारत सरकार

सहभागिता: रामबहादुर राय (अध्यक्ष, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र), अच्युतानंद मिश्र (वरिष्ठ पत्रकार), गिरीश्वर मिश्र (कुलपति, महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा)।

आभार उद्बोधन : नामवर सिंह

11:30 बजे से 12:00 बजे: चाय

दूसरा सत्र: 12:00 बजे से 2:00 बजे

विषय: नामवर सिंह की सार्थकता

सहभागिता: केदारनाथ सिंह, निर्मला जैन, काशीनाथ सिंह, विश्वनाथ त्रिपाठी, मैनेजर पांडेय।

2:00 से 3:00 बजे : सहभोजन

तीसरा सत्र: 03:00 बजे से 5:00 बजे

विषय: नामवर सिंह का कृतित्व: राष्ट्रीय संदर्भ

सहभागिता: विभूतिनारायण राय (हिंदी), भालचंद्र नेमाडे (मराठी), रघुवीर चौधरी (गुजराती), तंकमणि अम्मा (मलयालम), पद्मा सचदेव (डोगरी, हिंदी), एस. आर. किदवई (उर्दू), हरिमोहन शर्मा, ज्ञानेंद्र कुमार संतोष, रश्मिरेखा।

5:00 से 5:30 बजे: चाय

शाम 5:30 से 6:00 : नामवर सिंह पर वृत्तचित्र:

'नामवर सिंह के 90 साल' (निर्देशक: सुरेश शर्मा)

आयोजन के अंतर्गत नामवर जी के चित्रों की प्रदर्शनी भी होगी। राजकमल प्रकाशन उनकी संपूर्ण कृतियों की प्रदर्शनी आयोजित कर रहा है।

कार्यक्रम स्थल

सभागार: इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र

सी. वी. मेस, जनपथ, नई दिल्ली-110001 (प्रवेश द्वार 1 से)

पास का मेट्रो स्टेशन: केन्द्रीय सचिवालय गेट सं. 2 एवं जनपथ गेट सं. 1 और 4
प्रवेश एवं पार्किंग नि:शुल्क

नामवर सिंह की दुनिया

आधुनिक हिंदी साहित्य के स्वरूप को परिभाषित करने तथा उसे नई दिशा देने में प्रख्यात आलोचक नामवर सिंह की भूमिका ऐतिहासिक है। पिछले 70 वर्षों में हिंदी साहित्य की मुख्यधारा में चली बहसों को एक सार्थक निष्कर्ष तक ले जाने में उन्होंने निर्णायक पहल की है। कविता, कहानी और आलोचना के नए मानदंडों का रेखांकन किया है। संस्कृति के लोक रूप की नई व्याख्या की है। विश्वविद्यालय में काम करते हुए हिंदी साहित्य का अद्यतन पाठ्यक्रम बनाया है, जो उसे समग्रता प्रदान करता है। पूरे देश में उनकी शिष्य परंपरा का विस्तार है।



उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, सागर विश्वविद्यालय, जोधपुर विश्वविद्यालय तथा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में हिंदी का अध्यापन भी किया। दो बार महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी रहे।

उनकी प्रमुख कृतियां हैं:

बकलम खुद (1951), हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग (1952), आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां (1954), छायावाद (1955), पृथ्वीराज रासो की भाषा (1956), इतिहास और आलोचना (1957), कहानी:नई कहानी (1966), कविता के नए प्रतिमान (1968), दूसरी परम्परा की खोज (1982), वाद विवाद संवाद (1989)। इसके अलावा उनके लेखों और साक्षात्कारों की दर्जनों संपादित पुस्तकें हैं।

वेबसाइट: www.ignca.gov.in;

ईमेल: igncaladarsana@gmail.com

फेसबुक: www.facebook.com/IGNCA; ट्विटर: @igncakd

उत्तरापेक्षी : 91-11-011.23388155 (प्रातः 9:30 से सायं 5:30 बजे तक)

कृपया 'स्वस्ति' एचएचईसी द्वारा संचालित इंंगारककेन्द्र की शॉप, सी.वी. मेस, जनपथ (नई दिल्ली) पर पधारें।



संस्कृति संवाद शृंखला-1

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र का आयोजन
28 जुलाई 2016

नामवर सिंह की दूसरी परम्परा

आभंगो

